दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

गुटखा किंग को अब लगेगा मकोका

जमीर काज़ी, मुंबई से

अमली पदार्थों की तस्करी पर अब और कड़ा शिकंजा कसा जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद में एलान किया कि एनडीपीएस (नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेज़ एक्ट) के तहत गिरफ्तार किए गए आरोपियों को यदि ज़मानत के बाद फिर से अपराध करते पाया गया, तो ऐसे मामलों में उन्हें मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज़्ड क्राइम एक्ट) के तहत कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। इसके लिए आवश्यक कानूनी संशोधन मौजूदा सत्र में ही किए जाएंगे।

विधान परिषद में प्रश्नोत्तर काल के दौरान सदस्य डॉ. परिणय फुके और एकनाथ खडसे ने ड्रग्स तस्करी के मामलों को लेकर सवाल उठाया था, जिसका उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के हर पुलिस थाने में अब स्वतंत्र एनडीपीएस यूनिट स्थापित की गई है और इन यूनिट्स में अधिकारी और कर्मचारी भी तैनात किए गए हैं। साथ ही, ज़िला स्तर पर समन्वय समितियाँ बनाई गई हैं। बीते ढाई वर्षों में इन इकाइयों ने कई बड़े मामलों में कार्रवाई की है।

गांजे की खेती को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पर महाराष्ट्र में तो प्रतिबंध है ही, मध्यप्रदेश में भी यह कानूनी नहीं है। गांजा, गुटखा या इसी तरह के किसी भी नशीले पदार्थ की तस्करी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३३२ वा | गुरूवार ३ जुलै २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

वाल्मीकि कराड गंभीर आरोपों में घिरे, बीड जिले में खलबली

बीड से, संवाददाता की रिपोर्ट मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख हत्या प्रकरण में सूत्रधार के रूप में गिरफ्तार किए गए वाल्मीकि कराड को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। देशमुख की हत्या के बाद आका के रूप में उभरे कराड पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अब कराड के पुराने सहयोगी होने का दावा करने वाले विजयकुमार बांगर ने इस मामले में अहम खुलासे किए हैं।

विजयकुमार बांगर ने दावा किया है कि वाल्मीकि कराड के पीछे कोई अदृश्य शक्ति काम कर रही थी। उन्होंने यह भी कहा कि कराड ने मेरे सामने तीन लोगों की हत्या की है। देशमुख हत्या प्रकरण में नाम सामने आने के बाद कराड फरार हो गया था। इसके दो दिन बाद, कराड, विष्णू चाटे और सुदर्शन घुले के खिलाफ २ करोड़ रुपये की फिरौती मांगने का मामला दर्ज किया गया था। विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा कराड की गिरफ्तारी की मांग हो रही थी, जिसके बाद उसने पुणे में आत्मसमर्पण किया।

अब विजयकुमार बांगर ने एक और चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा है कि महादेव मुंडे की हत्या भी वाल्मीकि कराड ने ही की थी। उन्होंने कहा, मेरे जैसे ही कराड के पीछे भी कोई अदृश्य शक्ति थी, उसके पीछे शासकीय और पुलिस तंत्र था, और मेरे पीछे नैतिकता। अगर कराड समाजसेवा करता था तो फिरौती क्यों वसूलता था? उसने इतने लोगों को क्यों परेशान किया? उसे सत्ता और पैसे का लालच था। वह बीड जिले का बाप बनना चाहता था और पूरे मराठवाड़ा पर कब्जा करना चाहता था। महादेव मुंडे प्रकरण की मुझे पूरी जानकारी है, मैंने उस समय एक वरिष्ठ अधिकारी से मिलकर सारी बात बताई थी।

इसी बीच, कुछ दिन पहले कराड के खिलाफ एक और मामला सामने आया है। उस पर राज्य के १४० किसानों से धोखाधड़ी करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि उसने कहा था कि कृषि मंत्री मेरे करीबी हैं, और वे तुम्हें अनुदान दिला देंगे, इस झांसे में आकर किसानों ने कराड को पैसे दिए। किसानों का आरोप है कि वाल्मीकि कराड ने ११ करोड़ २० लाख रुपये की धोखाधड़ी की। जब किसानों ने पैसे वापस मांगे, तो उन्हें पीटकर भगा दिया गया।

गिरफ्तारी के बाद कराड ने इन मामलों की जानकारी पुलिस को दी है। अब इन खुलासों के बाद बीड जिले में भारी खलबली मच गई है।

गुजरात में अब हर शनिवार 'बैगलेस डे': बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा विभाग की अनोखी पहल

अहमदाबाद से, हबीब शेख की रिपोर्ट

गुजरात सरकार ने स्कूली शिक्षा को बोझमुक्त और रचनात्मक बनाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। राज्य के सभी सरकारी, अनुदानित और गैर-सरकारी सहायता प्राप्त माध्यमिक स्कूलों में कक्षा १ से ८ तक के छात्रों के लिए हर शनिवार को बैगलेस डे' (बिना किताबों का दिन) घोषित किया गया है। यह व्यवस्था जुलाई २०२५ से पूरे राज्य में लागू कर दी गई है।

पढ़ाई का बोझ नहीं, अब हर शनिवार रचनात्मकता, खेल और योग

राज्य शिक्षा विभाग के अनुसार इस फैसले का उद्देश्य बच्चों को पारंपरिक पढ़ाई से एक दिन के लिए विराम देकर उन्हें खेल, योग, संगीत और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में संलग्न करना है। बैगलेस डे' के तहत विद्यार्थियों को कबड्डी, खो-खो, योग, संगीत, नृत्य, चित्रकला और अन्य समूहिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छएझ) के अनुरूप पहल

यह फैसला नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के अनुरूप लिया गया है, जो बच्चों के सर्वांगीण विकास, व्यावहारिक ज्ञान और आनंददायी शिक्षा पर बल देती है। नीति के तहत राज्यों को विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को विकसित करने और मानसिक तनाव को कम करने के लिए विशेष कदम उठाने का निर्देश दिया गया था।

बैगलेस डे का होगा अलग मॉड्यूल

बैगलेस शनिवार' को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए विशेष मॉड्यूल तैयार किया जाएगा और प्रत्येक स्कूल में एक शिक्षक को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह शिक्षक उन गतिविधियों का संचालन करेगा जो बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाने में सहायक होंगी। मोटापे और डिजिटल लत से छुटकारे की कोशिश

गुजरात के शहरी क्षेत्रों में बच्चों में मोटापा और डिजिटल उपकरणों पर अत्यधिक निर्भरता एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। इस नई नीति का एक प्रमुख उद्देश्य बच्चों को फिजिकल एक्टिविटी की ओर मोड़ना और डिजिटल डिवाइस से दूरी बनाना भी है। राज्य सरकार चाहती है कि कम से कम एक दिन छात्र मोबाइल, टैब या टीवी से दूर रहकर खुलकर खेलें, सोचें और सृजन करें।

सामाजिक और मानसिक विकास की ओर कदम

बैगलेस डे' न केवल बच्चों को खुशनुमा और तनावमुक्त वातावरण देगा, बल्कि यह सामाजिकता, सहयोग, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक सोच को भी प्रोत्साहित करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को बेहतर बनाएगा।

महाराष्ट्र: ई-चालान और उत्पीड़न के खिलाफ २ लाख ट्रकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

मुंबई, १ जुलाई (संवाददाता)

महाराष्ट्र में ट्रक चालकों और मालिकों ने सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। इस हड़ताल में राज्य भर से लगभग दो लाख ट्रक शामिल हैं। इसका आयोजन महाराष्ट्र ट्रक टेम्पो ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन द्वारा किया गया है। हड़ताल का मुख्य कारण ई-चालान के जरिए भारी जुर्माने, पुलिस और आरटीओ विभाग द्वारा कथित उत्पीड़न और कर व्यवस्था की जटिलताओं को बताया जा रहा है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबूराव शिंदे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ट्रांसपोर्टर्स लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर सरकार से बातचीत कर रहे हैं, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकला। उन्होंने कहा,

हम ई-चालान की मौजूदा व्यवस्था को लेकर परेशान हैं। ट्रक ड्राइवरों को जबरन चालान दिए जाते हैं, और कई बार एक ही गलती पर एक से ज्यादा बार जुर्माना लगाया जाता है।

हड़ताल का असर:

इस हड़ताल से महाराष्ट्र के भीतर और बाहर होने वाला माल परिवहन प्रभावित हो सकता है। जरूरी सामान जैसे सब्ज़ियाँ, फल, अनाज, दवाइयाँ और निर्माण सामग्री की आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका है। उद्योग जगत और आम नागरिकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

मुख्य माँगें:

१. ई-चालान प्रणाली की समीक्षा और उसमें सुधार।

२. ट्रक ड्राइवरों को पुलिस और आरटीओ द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न पर रोक।

३. ट्रांसपोर्ट टैक्स को सरल और पारदर्शी बनाया जाए।

सरकार की प्रतिक्रिया:

अब तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ट्रक यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही वार्ता नहीं हुई तो हड़ताल और अधिक उग्र रूप ले सकती है।

समाजसेवी सादिक इनामदार पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज

बीड रिपोर्ट

बीड ज़िले के धारूर निवासी समाजसेवी इंजीनियर सादिक इनामदार के खिलाफ शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार का मामला दर्ज किया गया है। यह मामला जिला परिषद की माध्यमिक शिक्षण अधिकारी प्रियाराणी पाटील की शिकायत पर दर्ज किया गया है।

सादिक इनामदार का नाम बीड ज़िले में कई घोटालों को उजागर करने में सामने आया है। उन्होंने कई भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ आवाज़ उठाकर उन्हें सज़ा दिलाने में भूमिका निभाई है। खासकर जिला परिषद के शिक्षा विभाग में हुए गैरकानूनी कार्यों की जांच भी सादिक इनामदार ने ही शुरू करवाई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार को प्रियाराणी पाटील द्वारा की गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सादिक इनामदार ने माध्यमिक शिक्षण अधिकारी के कक्ष में जाकर अभद्र व्यवहार किया और छेड़छाड़ की। इस शिकायत के आधार पर शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। यह घटना सामने आने के बाद पूरे ज़िले में हलचल मच गई है। उल्लेखनीय है कि सादिक इनामदार भ्रष्टाचार निर्मूलन समिति के अध्यक्ष भी हैं।

दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा 'आधार', सांसद बजरंग सोनवणे की पहल से जिले में विशेष शिविरों का आयोजन

बीड से, विशेष संवाददाता

दिव्यांग बंधुओं को सहानुभूति नहीं, बल्कि सशक्त साथ दें! - इसी उदात्त सोच के तहत बीड लोकसभा क्षेत्र के सांसद बजरंग सोनवणे के निर्देशानुसार जिला प्रशासन और एलिम्को मुंबई के संयुक्त उपक्रम द्वारा १८ जुलाई से ३० जुलाई २०२५ तक बीड जिले में दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क कृत्रिम उपकरणों और सहायक साधनों का वितरण किया जाएगा। ये शिविर पंचायत समिति स्तर पर आयोजित होंगे।

इस अभियान के तहत बीड लोकसभा क्षेत्र के सभी तालुकों में पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण और पंजीकरण शिविर आयोजित किए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण देना तथा वरिष्ठ नागरिकों को राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत आवश्यक उपकरण प्रदान करना है।

एलिम्को मुंबई (भारत सरकार की मान्यता प्राप्त एजेंसी) के सहयोग से इन शिविरों में पात्र लाभार्थियों की स्वास्थ्य जांच, पंजीकरण प्रक्रिया और आवश्यकता अनुसार तत्काल निःशुल्क उपकरणों का वितरण किया जाएगा। यह उपक्रम दिव्यांग और वृद्धजनों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगा और उन्हें आत्मनिर्भर जीवन की ओर प्रेरित करेगा।

सांसद बजरंग सोनवणे का आह्वान:

बीड लोकसभा क्षेत्र के अधिक से अधिक दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिक इन शिविरों में भाग लें। गांव के सरपंच और युवा वर्ग यह जानकारी सभी जरूरतमंदों तक पहुँचाएं ताकि वे इस योजना का लाभ उठा सकें।

शिविरों की तालुका-वार दिनांक और स्थान

तालुका	दिनांक	स्थान
केज	१८ जुलाई	पंचायत समिति
अंबाजोगाई	१९ जुलाई	पंचायत समिति
बीड	२१ जुलाई	पंचायत समिति
माजलगांव	२२ जुलाई	पंचायत समिति
पाटोदा	२३ जुलाई	पंचायत समिति
वडवणी	२४ जुलाई	पंचायत समिति
आष्टी	२५ जुलाई	पंचायत समिति
धारूर	२६ जुलाई	पंचायत समिति
परळी	२८ जुलाई	पंचायत समिति
शिरूर	२९ जुलाई	पंचायत समिति
गेवराई	३० जुलाई	पंचायत समिति

गट विकास अधिकारी होंगे नोडल अधिकारी

पूर्व परीक्षण शिविर के लिए संबंधित पंचायत समिति के गट विकास अधिकारियों को दिव्यांग नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। बीड जिले की दिव्यांग स्कूलों के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी दिव्यांग दूत के रूप में कार्य करेंगे। इनका नेतृत्व संबंधित मुख्याध्यापक करेंगे।

तालुका-वार दिव्यांग दूत स्कूलों की सूची:

(प्रमुख स्कूलों की जानकारी)

केज: उमरी स्थित मतिमंद, मुकबधीर व अस्थिव्यंग विद्यालय

अंबाजोगाई: ज्ञानवर्धिनी, योधवधिनी, अहिल्यादेवी, ज्ञानसागर, जवळगाव, धानोरा

बीड: आर्युमर्गलम, प्रज्ञाचक्षु, रुख्माई गोविंद, पांगरी रोड, वासनवाडी

माजलगांव: किट्टीआडगाव व माजलगांव के विविध विद्यालय

पाटोदा: तांबाराजुरी, दासखेड के विद्यालय

वडवणी: साईनाथ, नाथापुर, संभाजी नगर, नेकनुर विद्यालय

आष्टी: छत्रपती शाहू महाराज विद्यालय, श्रेया विद्यालय

धारूर: धारूर बीड रोड स्थित विद्यालय

परळी: मानवविकास संस्था, कर्तव्य विद्यालय

शिरूर: शिरूर व तळेगाव स्थित विद्यालय

गेवराई: तलवाडा, गेवराई व तळेगाव स्थित विद्यालय

यह विशेष अभियान दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो बीड जिले के समावेशी विकास की मिसाल बनेगा।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वो साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

अजित पवार ने १५ वें वित्त आयोग के अंतर्गत शुरू की गई विकास योजनाओं की समीक्षा की

परियोजनाएं समय पर और आगामी सौ वर्षों की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर पूरी हों-उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अधिकारियों को सख्त हिदायत

रिपोर्टर द्वारा

मुंबई: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने आज एक उच्चस्तरीय बैठक में १५वें वित्त आयोग के अंतर्गत शुरू की गई विभिन्न विकास योजनाओं और परियोजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक योजना को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए और गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं राज्य के भविष्य की दृष्टि से अगले १०० वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं, इसलिए इनमें कोई भी ढिलाई या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में पवार ने स्पष्ट किया कि इन विकास योजनाओं के लिए केंद्र सरकार की ओर से महाराष्ट्र को पूरा सहयोग मिल रहा है, और राज्य सरकार की भी यही मंशा है कि वित्त आयोग से प्राप्त समस्त धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले पूर्ण रूप से उपयोग में लाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि एक भी रुपया वापस न जाए और सभी विभाग समन्वय और सहयोग से कार्य करें ताकि हर परियोजना समय पर पूरी की जा सके।

बैठक में बताया गया कि रिटायर हो चुके युद्धपोत खछड गुलदार का उपयोग करते हुए सिंधुदुर्ग के तट पर समुद्र में कृत्रिम कोरल रीफ (मरुस्थलीय चट्टानों) बनाई जाएंगी। इस परियोजना के तहत विश्वस्तरीय स्कूबा डाइविंग, पनडुब्बी पर्यटन, और एक अंडरवॉटर म्यूज़ियम की स्थापना की जाएगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और समुद्री जैव विविधता के संरक्षण में मदद मिलेगी।

नवी मुंबई के उरण के उलवे क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के समीप एक आधुनिक और भव्य यूनिटी मॉल का निर्माण किया जाएगा, जो राज्य की सांस्कृतिक और व्यापारिक विविधता को बढ़ावा देने का केंद्र बनेगा। नासिक में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राम, काल और पथ से संबंधित एक विशिष्ट धार्मिक मार्ग का विकास किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा हो और नासिक की आध्यात्मिक महत्ता में वृद्धि हो।

बैठक में यह भी प्रस्ताव रखा गया कि ठाणे, नागपुर, नवी मुंबई, छत्रपति संभाजीनगर, पिंपरी-चिंचवड, कल्याण-डोंबिवली और सोलापुर जैसे शहरों में कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से युक्त हॉस्टल बनाए जाएं ताकि वे बिना किसी भय के रह सकें और कार्य कर सकें।

इसके अतिरिक्त शहरी विकास, आपदा प्रबंधन, और जनस्वास्थ्य से जुड़े कई प्रस्तावों पर चर्चा की गई, जिनका उद्देश्य नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना और आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। राज्य की प्राचीन संस्कृति, ऐतिहासिक इमारतों, और पारंपरिक कलाओं के संरक्षण के लिए विशेष योजनाएं लागू की जाएंगी ताकि महाराष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर को अगली पीढ़ियों तक सुरक्षित रखा जा सके।

वन और वन्यजीव संरक्षण हेतु आधुनिक प्रबंधन उपाय अपनाए जाएंगे, जिससे प्राकृतिक संतुलन बना रहे और पर्यावरणीय क्षति से बचाव हो सके। रायगढ़ से रेडी तक एक सामुद्रिक राजमार्ग (मैरिटाइम हाईवे) के निर्माण की भी योजना प्रस्तुत की गई, जिससे क्षेत्र में परिवहन सुलभ होगा और तटीय पर्यटन को बल मिलेगा।

पुलिस कर्मियों की भलाई के लिए उनके लिए आवासीय कॉलोनियों के निर्माण का भी प्रस्ताव सामने आया ताकि उन्हें बेहतर आवास सुविधाएं मिल सकें और उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके।

अजित पवार ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी परियोजना में यदि देरी या गुणवत्ता में कमी पाई गई, तो कड़ी जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि जनकल्याण से जुड़ी इन योजनाओं को समय पर और पारदर्शिता के साथ पूरा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस महत्वपूर्ण बैठक में वित्त, योजना, शहरी विकास, पर्यटन, जनस्वास्थ्य, वन और लोक निर्माण विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

‘हाथभट्टी’ शराब बेचने वाला आरोपी भेजा गया हर्सूल जेल

बीड, २ जुलाई (प्रतिनिधि)

अवैध 'हातभट्टी' (देशी कच्ची शराब) बनाने और बेचने वाले शातिर विक्रेता इब्बू काशिम नुरीवाले (उम्र ३४, निवासी गवलीपुरा, अंबाजोगाई) के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई करते हुए उसे छत्रपती संभाजीनगर के हर्सूल जेल भेजा गया है। यह कार्रवाई १ जुलाई को की गई।

इसके बाद स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने १ जुलाई को इब्बू को हिरासत में लेकर अंबाजोगाई ग्रामीण पुलिस स्टेशन में प्रस्तुत किया। सभी कानूनी प्रक्रियाएँ पूरी कर उसे दोपहर ३:२६ बजे हर्सूल कारागृह भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत, अपर पुलिस अधीक्षक सचिन पांडकर, और स्थानीय अपराध शाखा के निरीक्षक शिवाजी बंटेवाड के मार्गदर्शन में अंबाजोगाई ग्रामीण पुलिस निरीक्षक मुरलीधर खोकले, रहिम चौधरी, अभिमन्यु औताडे, विष्णु सानप, मारुती कांबळे, भागवत शेलार, आनंद मस्के, अतुल हराडे और बिभीषण चव्हाण की टीम द्वारा की गई।

चकलांबा में फिर वाळू (रेत) तस्करों पर बड़ी कार्रवाई; २७ लाख का माल जब्त

चकलांबा, २ जुलाई (संवाददाता)

पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत द्वारा अवैध धंधों पर कड़ी कार्रवाई के आदेश के बाद चकलांबा में सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप पाटील के नेतृत्व में रेत तस्करों पर एक बार फिर कार्रवाई की गई। गोदावरी नदी के पात्र में की गई इस कार्रवाई में कुल २७ लाख ३ हजार रुपये का माल जब्त किया गया है।

इस संबंध में चकलांबा पुलिस स्टेशन में विकास संपत केसभात (निवासी: गायकवाड़ जळगांव) और मोहम्मद अहमद शेख (निवासी: सुकली, तहसील शेवगांव, जिला अहमदनगर) के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है।

बीते कुछ दिनों से चकलांबा पुलिस क्षेत्र में सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप पाटील द्वारा रेत तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। बुधवार (२ जुलाई) को पुलिस को सूचना मिली थी कि महारटाकळी क्षेत्र में एक ट्रैक्टर द्वारा नदी से चोरी-छिपे रेत की ढुलाई की जा रही है।

सूचना के आधार पर पाटील ने अपनी टीम को निर्देश दिए और छापा मार कार्रवाई के आदेश दिए। पुलिस टीम द्वारा छापा मारने पर वहां एक ट्रैक्टर और एक जेसीबी मशीन अवैध रेत ढुलाई करते हुए पाई गईं। दोनों वाहनों को जब्त कर पुलिस स्टेशन लाया गया।

इस कार्रवाई में कुल २७ लाख ३ हजार रुपये का मुद्देमाल जब्त किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत, अपर पुलिस अधीक्षक सचिन पांडकर, पुलिस उपअधीक्षक श्री. राजगुरु के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप पाटील, अमोल अंकुश येळे, कैलास विठ्ठल खटाने, प्रशांत कल्याण घोंगडे आदि पुलिसकर्मियों द्वारा की गई।

बीड शहर बचाव मंच द्वारा कृषि क्रांति के जनक वसंतराव नाईक की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई

बीड से प्रतिनिधि की रिपोर्ट

हरित क्रांति के जनक तथा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री वसंतराव जी नाईक की जयंती आज बीड शहर में संत भगवान बाबा चौक पर श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके अर्धाकृति पुतले को पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का आयोजन बीड शहर बचाव मंच एवं कर्मयोगी वसंतराव नाईक के अनुयायियों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके कृषि क्षेत्र में किए गए अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि उन्होंने हरित क्रांति के माध्यम से संपूर्ण विश्व में भारतीय कृषि और किसानों की पहचान बनाई। उनकी दूरदृष्टि के कारण ही आज महाराष्ट्र समृद्ध, स्वावलंबी और सशक्त बना है।

कार्यक्रम में मंच के सभी मान्यवरों ने यह विश्वास जताया कि वर्तमान और भविष्य में वसंतराव नाईक के विचारों को आत्मसात कर, कृषि व औद्योगिक विकास के मार्ग पर चलकर महाराष्ट्र को आगे ले जाने में सफलता मिलेगी।

इस जयंती समारोह में प्रमुख रूप से उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे: डी.जी. तांदळे सर, नितीन जायभाये, एडवोकेट अनिल बारगजे, भूषण पवार, मीनाक्षी देवकते, लताताई राऊत, फिल्म अभिनेता एडवोकेट महेश कुमार वनवे, बाजीराव ढाकणे, अमोल अंकुटे, कांग्रेस नेता गणेश बजगुडे, रामधन जमाले, गवते सर, अशोक लोढा, मयुरी ताई ढाकणे, राजाभाऊ वंजारे (जिव्हाळा बेघर केंद्र), छायाताई सरोदे, अभिजीत वैद्य, बालाजी जगतकर, डॉ. संजय तांदळे, बंजारा क्रांतिकारी दल के रा.म. सचिव शरद राठोड, कैप्टन जे.डी. चव्हाण, जिला परिषद सभापति बाबुराव जाधव, विलास राठोड, अंकुश राठोड, परमेश्वर जाधव, सरपंच भाऊसाहेब राठोड, शरद राठोड, प्रभाकर राठोड, राजेश राठोड, अभय चव्हाण, विजय चव्हाण, अशोक चव्हाण, प्रीत कुकडेजा, डउ्झख पार्टी के आबिदभाई सय्यद, अशोक वाघमारे और कई अन्य सम्मानित नागरिक। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और भी बढ़ा दिया और वसंतराव नाईक के विचारों को आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया गया।

नए फौजदारी कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन करें-मुख्यमंत्री फडणवीसने अधिकारियों को दिए निर्देश

मुंबई, २ जुलाई । रिपोर्ट: जमीर काज़ी

अपराधों की जांच प्रक्रिया में तेजी लाने और न्याय प्रक्रिया में देरी को कम करने के उद्देश्य से नए फौजदारी कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए, इस आशय के निर्देश उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि इन कानूनों के अंतर्गत डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग अपेक्षित है।

मुख्यमंत्री फडणवीस विधानभवन में आयोजित समीक्षा बैठक में नए फौजदारी संहिता कानूनों की अमलबजावनी को लेकर बोल रहे थे। इस बैठक में गृह राज्य मंत्री (शहरी) योगेश कदम, गृह राज्य मंत्री (ग्रामीण) डॉ. पंकज भोयर, मुख्य सचिव राजेश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

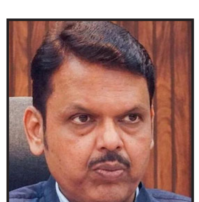

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायवैद्यक विभाग को अपराध सिद्ध करने के लिए आवश्यक परीक्षण समय पर करने चाहिए। प्रत्येक जिले में फॉरेंसिक वैन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। खाली पदों को भरा जा चुका है और यदि अतिरिक्त मानव संसाधन की आवश्यकता हो, तो उसकी मांग की जाए।

उन्होंने महिलाओं से जुड़े अपराधों की तेज़ जांच करने पर भी बल दिया। विशेष रूप से छेड़छाड़ और अत्याचार के मामलों में तेजी से आरोपपत्र दाखिल करने की कार्यवाही की जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. इकबाल सिंह चहल, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, प्रधान सचिव (अपील एवं सुरक्षा) राधिका रस्तोगी, प्रधान सचिव (कानून-व्यवस्था) अनुप कुमार सिंह, विधि एवं न्याय विभाग की प्रधान सचिव सुवर्णा केवले, न्यायवैद्यकीय विभाग के महानिदेशक संजय कुमार वर्मा और अपर पुलिस महानिदेशक (कारागृह) सुहास वारके सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यूएई (अरब इमारात)में भारतीय स्टार्टअप्स के लिए सुनहरा अवसर

२० स्टार्टअप्स को मिलेगा पूरी तरह फंडेड ग्लोबल एक्सपोजर

अबूधाबी/नई दिल्ली, २ जुलाई (रिपोर्ट: मंजूर अहमद, चार्टर्ड अकाउंटेंट

भारतीय स्टार्टअप्स को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के उद्देश्य से यूएई सरकार और यूएई-भारत उएझ- काउंसिल द्वारा U-E-India Start-up Series नामक एक ऐतिहासिक कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इस पहल के अंतर्गत भारत के उभरते और नवाचारी २० स्टार्टअप्स को चुना जाएगा, जिन्हें यूएई में विस्तार, नेटवर्किंग और निवेश के लिए पूरी तरह से फंडेड अवसर प्रदान किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत और यूएई के बीच Compre-hensive Economic Partnership -greement (CEP-) के तहत आर्थिक सहयोग को मजबूती देना है। चयनित स्टार्टअप्स को न केवल इन्क्यूबेशन सपोर्ट, बल्कि मेंटरशिप, निवेशकों से सीधा संपर्क, और बाजार तक पहुंच की सुविधाएं दी जाएंगी।

प्रमुख विशेषताएं:

पूरी तरह फंडेड पैकेज: फ्लाइट, होटल, खाना, और लोकल ट्रांसपोर्ट का पूरा खर्च यूएई सरकार द्वारा उठाया जाएगा।

U-E में सॉफ्ट-लैंडिंग अवसर: बिजनेस इन्क्यूबेशन, नेटवर्किंग, और रणनीतिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

५ स्टार्टअप्स को फाइनल राउंड में वैश्विक एक्सपोजर: नई दिल्ली में आयोजित पिच इवेंट के बाद चयन होगा।

मुख्य तिथियाँ:

आवेदन शुरू: २४ जून २०२५

अंतिम तिथि: ३१ जुलाई २०२५

फाइनल पिच इवेंट: अक्टूबर २०२५, नई दिल्ली

ऑनबोर्डिंग व ण-ए यात्रा: नवंबर २०२५

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल निवेश प्राप्त करना नहीं बल्कि भारतीय स्टार्टअप्स को खाड़ी देशों में व्यापारिक अवसरों और भागीदारी तक पहुंच दिलाना है।

इस अनोखी पहल से भारत के उभरते उद्यमियों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी और भारत-यूएई आर्थिक संबंधों में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा।

– रिपोर्ट: मंजूर अहमद (CA)

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharash-tra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com